केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

प्रेस विज्ञप्ति दिनांक : 04/02/2025

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर, में कार्यक्रम का शुभारम्भ

पहिये के आविष्कार के साथ ही दुनिया भी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने लगी इस रफ्तार को नई दिशा सितम्बर 1825 में दुनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में 16 अप्रैल 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षों बाद 3 फरवरी 1925 में भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कुर्ला, मुम्बई तक बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल 2025 भारत में रेल विद्युतीकरण के 100 साल पूरे होने के साथ, भारत अपने ब्राड गेज नेटवर्क के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही एतिहासिक है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है।

"60 के दशक में तेल संकट के दौरान कई विद्युतीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 1961 में एक संगठन के रूप में रेल विद्युतीकरण की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विद्युतीकरण करना था। शुरू में कोलकाता में स्थित इकाई को रेल विद्युतीकरण के लिए परियोजना कार्यालय (PORE) कहा जाता था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण हेतु इलाहाबाद में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन का कार्यालय वर्ष 1979 में स्थापित किया गया था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, नए परियोजना कार्यालय भी स्थापित किए गए। अपनी स्थापना के बाद से 46 वर्षों में भारतीय रेल के तेजी से विद्युतीकरण के साथ, कोर ने इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कुल 48,029 रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण कार्य को किया है, जो कुल विद्युतीकरण कार्य का 76% प्रतिनिधित्व करता है। पिछले 10 वर्षों में, कोर ने विद्युतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और अकेले ही 26,441 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य करके भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।

इस शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 03 फरवरी 2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम कोर मुख्यालय में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। रेल विद्युत कर्षण के 100 वर्षों के उत्सव प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये, पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे वितरित किए, आकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोली बनाई गई, जिसमें रेल विद्युत कर्षण की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया, 100 वर्ष के प्रतीक चिह्न के साथ कप, डायरी और जूट बैग का वितरण सभी कोर परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप प्रदान किया गया, जो इस ऐतिहासिक उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिह्नित करने और रेल के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

महाप्रबंधक महोदय ने अपने संदेश में कहा कि "इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के 100 वर्ष पूरे होना भारतीय रेल और कोर के लिए गर्व का क्षण है। इस उल्लेखनीय यात्रा ने रेल परिवहन को बदल दिया है। कोर ने

रेल विद्युतीकरण में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विशेष अवसर पर, मैं उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिनके समर्पण ने इस मील के पत्थर को संभव बनाया है। आइए हम पूर्ण विद्युतीकरण और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें, जिससे भारतीय रेल को शुद्ध-शून्य कार्बन भविष्य की ओर ले जाया जा सके।"

समारोह में कोर के महाप्रबंधक के साथ-साथ सम्मानित अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन (रीवो) की अध्यक्षा श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव व अन्य रीवो सदस्यायें भी उपस्थित थीं।

(कल्याण सिंह)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी/कोर/प्रयागराज